अध्याय –17

पृथ्वी के बाहर जीवन की खोज

अंक–भार 3

– **युरोपा** बृहस्पति ग्रह का उपग्रह हैं जहां जीवन खोजा जा रहा हैं।
– **टाइटन** शनि ग्रह का उपग्रह हैं जहां जीवन खोजा जा रहा है।
– पृथ्वी ग्रह के बाहर के जीव को "एलियन" कहते हैं।
– पृथ्वी से बाहर जीवन खोजने के लिए सन् 1972 में **पायोनियर 10** यान छोड़ा गया यह यान बृहस्पति ग्रह के पास से होता हुए हमारे सौरमण्डल से बाहर पहुचा था पृथ्वी के वैज्ञानिक को भय था की पृथ्वी के बाहर विकसित सभ्यता पायोनियर–10 पर हमला कर सकती हैं इस हमले से बचने के लिए **पायोनियम – 10** के यान पर एक प्लेट पर मानव स्त्री पुरूष को मित्रता की मुद्रा में चित्रित किया गया।
– सोविसत संघ ने पहला मानव निर्मित उपग्रह **स्पूतनिक –1** छोड़ा।
– पहला मानव अन्तरिक्ष यात्री **युरी गागरिन** हैं।
– चन्द्रमा पर कदम रखने वाला पहला व्यक्ति **नील आर्मस्टोन्ग**
– **प्रमुख एजेन्सिया**
चीन– राष्टीय अन्तरिक्ष प्राधिकरण, रूस– रोसकोसमोस, अमेरिका– नासा,
भारत– **इसरो** (भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन)
– पृथ्वी के अलावा मंगल ग्रह पर जीवन की सम्भावनाए खोजी जा रही हैं।
– **प्रमुख यान**
जुनो – अमेरिका का – बृहस्पति ग्रह के चारों ओर चक्कर
कास्सीनी – शनि ग्रह के चारों ओर
– भारत **आदित्य** अन्तरिक्ष यान भेजकर सूर्य का अध्ययन करने की तैयारी कर रहा हैं।
– **क्षुद्र ग्रह** मंगल व बृहस्पति नामक ग्रहो के बीच में पाये जाते हैं।
– विश्व अन्तरिक्ष अभियान में भारत का महत्व सन् 1948 में भारत में अहमदाबाद में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना हुई। सन् 1962 **डां विक्रम साराभाई** नें भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान समिति का गठन किया गया।
– 1969 में भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का गठन किया
– भारत ने रूस की सहायता से 19 अप्रैल 1975 को अपना पहला कृत्रिम उपग्रह **आर्यभट्ट** छोडा
– भारत ने सन् 1981 में **एप्पल** नामक उपग्रह को युरोपियन अन्तरिक्ष एजेन्सी की सहायता से छोड़ा
– भारत ने **रोहिणी** नामक उपग्रह को भारत में निर्मित प्रक्षेपक वाहन **SLV-3**
– भारत ने जून 2016में एक साथ 20 उपग्रह अन्तरिक्ष में भेजकर इतिहास रच दिया
– भारत ने सन् 2008 में चन्द्रमा पर चन्द्रयान प्रथम को चन्द्रमा की सतह पर उतारकर सफलता प्राप्त की
– भारत ने 24 सितम्बर 2014 को मगंल ग्रह पर **मंगलयान (MOM)** भेजकर अपने पहले ही प्रयास में सफलता प्राप्त की
गूगल ने अन्तरिक्ष में भेजने के प्रोत्साहन के लिए **लूनर एक्स पुरस्कार** की घोषना की

–अन्तराष्ट्रीय स्टेशन

अन्तराष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित उपग्रह हैं यह पृथ्वी की कक्षा में उपस्थित सबसे बड़ी कृत्रिम संरचना है यह सूर्योदय के पहलें या सूर्यास्त के बाद,यह श्वेत गतिशील बिन्दु के रूप में दिखाई देता हैं यह एक दिन पृथ्वी के 15 से अधिक चक्कर लगाता है।
–चीन स्वयं अपना अन्तरिक्ष स्टेशन बना रहा हैं।
अन्तरिक्ष स्टेशन में बागवानी भी की जाती है ऊर्जा उत्पादन हेतु अनेक सौर पेनल लगें हुए है। पृथ्वी के समीप होने के कारण अन्तरिक्ष स्टेशन में गुरूत्व बल होता हैं। अन्तरिक्ष स्टेशन भारहीनता की स्थिति मे रहता है इस कारण अन्तरिक्ष में टिक जाती है।

–अन्तराष्ट्रीय कृत्रिम उपग्रहों के उपयोग

–मौसम सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करनें के लिए
–संचार के क्षैत्र में
–पृथ्वी के गर्म में पायें जाने वालें खनिज पदार्थो का पता लगानें के लिए
–इन्टरनेट के विकास में
–एक देश दूसरें देश मे जासूसी करनें के लिए कृत्रिम उपग्रहों का उपयोग
–सैन्य गतिविधियों का पता लगानें के लिए
– **अर्न्तराष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन में समस्याएँ**
– प्रत्येक अन्तरिक्ष यात्री के लिए भोजन प्लास्टिक की थैलियों में भेजा जाता हैं।

www.teachergyan.com

– अन्तरिक्ष स्टेशन में भोजन को गर्म रखने की सीमित व्यवस्था हैं
– भोजन पुराना होने पर बेस्वाद होने लगता हैं।
– पेय पदार्थो को स्ट्रॉ की सहायता से मुहॅ में खींचना होता हैं।
– चिमटी व चाकू को ट्रे पर रखने के लिये चुम्बक का प्रयोग किया जाता हैं।

महत्वपूर्ण प्रश्नः–

1– **अंर्तराष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी में अंतरिक्ष यात्री को कौन–कौन सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है ?**
2– **भारत कौन से अंतरिक्ष यान को सूर्य के लिए भेजने की तैयारी कर रहा है ?**
3– **पायोनियर स्कोर काल्पनिक मुसीबत से बचने के लिए क्या उपाय किए गए थे ?**
4– **कृत्रिम उपग्रहों के महत्व को समझाइए।**
5– **सौरमंडल के अन्य ग्रहों पर कौन–कौन से उपग्रह भेजे गए हैं।**

Vivaan Classes